८
परिशिष्ट १
क्षेत्रीय-भ्रमण

गोदावरी में वृक्षारोपण समारोह का विवरण

20 मई 1998 के सुबह सहभागी विविध भूमि आधारित तकनीकि के अवलोकन एवं वृक्षारोपण समारोह के लिए गोदावरी में 'इसीमोड' के 'प्रायोगिक स्थल' पर गए । यह 30 हेक्टर जमीन का टुकडा काठमाण्डू से 15 कि.मी. दक्षिण में है, यहाँ काफी कुछ दर्शनीय है । यह स्थान करीब 2,550 से 1,800 (मिटर) की उँचाई पर है । इस क्षेत्र में पतझड स्वभाव वाले एवं हमेशा हरे-भरे रहने वाले दोनों प्रकार के वन पाए जाते हैं । लेकिन वन ह्रास के कारण अब यह झाडियों वाले वन के रूप में परिवर्तित हो गया है । इस प्रायोगिक क्रियाकलाप का उद्देश्य है, नये तकनीकियों का प्रयोग का प्रदर्शन ताकि हिन्दू कुश क्षेत्र में स्थायी पर्वतीय विकास के प्रति लोगों के चाह को बढाया जा सके ।

इस क्षेत्र को दस अलग-अलग स्थलों में बाँटा गया है और प्रत्येक एक विशेष कार्यकलाप/कार्यकलापों को दर्शाता हैं । अपने भ्रमण के दौरान कार्यशाला के सहभागी इन प्रायोगिक स्थालों को देख सकते थे । स्थल- (१) में नर्सरी क्षेत्र है-जिसमें कुछ हिस्सों में प्लाष्टिक फिल्म तकनीकि के विषय में भी बताया जाता हैं, मधु मख्खी पालन, पौलोनिया रोपण और साथ ही छोटा पशुपालन केन्द्र है, जिसमें बकरियाँ, बालों वाले जानवर, खरगोश जो उच्च स्तर के ऊन का उत्पादन करते हैं । स्थल दो-में उद्यान निर्माण के नमुने का प्रदर्शन, खाद बनाना, प्राकृतिक वन, झाडी व्यवस्थापन (उगाना और संरक्षण) तथा जल निकास और संरक्षण के पद्धति को दिखाया जाता है । चारा के घास और लकडियों के नमूनों को भी दिखाया जाता है ।

वृक्षारोपण समारोह

श्री एगबर्ट पेलिङ्क, महानिर्देशक, इसीमोड, ने सभी सहभागियों का स्वागत किया और प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यशाला के व्यस्तता के बावजूद सहभागियों ने वृक्षारोपण के लिए समय निकाला । उन्होंने संक्षेप में इस प्रायोगिक स्थल प्रदर्शन के महत्व के बारे में बताया । यद्यपि इस स्थल में पूर्ण रूप से किसानों के खेती के तरीकों का अनुसरण नहीं किया गया है, फिर भी कुछ हद तक उनकी पद्धतियों को अपनाया गया है । उदाहरण के लिए पर्वतीय क्षेत्रों में भू-स्खलन एक वडी समस्या होती है और सीढियों जैसी आकार में जमीनों को काट कर इसे रोका जाता है । 'इसीमोड' ने एक नयी पद्धति को अपनाया है जिसे 'हरित-टेरेसिंग' (सीढी जैसी जमीन) कहा जाता है । भारतीय सिसो (विलो) के वृक्ष को वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त समझा गया । 'सिसो' का वृक्ष लकडी के फर्निचरों के लिए काफी उपयुक्त समझा जाता है । 'सिसो' किसान के व्यक्तिगत उपयोग के लिए भी उपयुक्त होता है । यह सभी प्रकार के मौसमों को झेल सकता है । श्री पेलिङ्क ने कहा कि जब वे फिर भविष्य में इस स्थल पर आएंगे तो उन वृक्षों पर उन सहभागियों के देश के नाम लिखे होंगें जिन्होंने इन्हें लगाया था ।

वृक्षारोपण के दौरान कविताएं पढी गई जिनमें सम्पूर्ण मानव समाज के सुखद भविष्य की कामना की गई थी । पौधों पर सहभागितायों के नाम पहले से ही लिखे हुए थे । इन पौधों को सहभागियों द्वारा लगाया गया । वृक्षारोपण के बाद सहभागी इसीमोड के प्रायोगिक प्रदर्शन स्थल पर जलपान और एक समूह फोटोग्राफ के लिए गए । इसके बाद वे 'इसीमोड' के ही 'साल्ट प्रदर्शन स्थल' (ढुलकाव कृषि जमीन तकनीकि) पर भी गए ।

श्री एग्बर्ट पेलिङ्क, इसीमोड के महानिर्देशक, गोदावरीमे वृक्षारोपण कार्यक्रममे सहभागी होते हुए

गीताञ्जलि

जहां मस्तिष्क भयहीन हो और मस्तक ऊँचा
रहे जहाँ ज्ञान स्वतंत्र हो,
जहां विश्व छोटे-छोटे संकीर्ण दिवारों से टुकडों में न बटें हों ।
जहां शब्द सत्य की गहराइयों से निकलते हों
जहां अथकित बांहे संपूर्णता की ओर उन्मुख हों
जहां स्वच्छ सोच निश्चल अभ्यासों के धुंधले रेत के रेगिस्तान में
भटक नहीं रहे हों
जहां तुम्हारा मस्तिष्क तुम्हें निरंतर विस्तीर्ण होते हुए
सोच और कार्य की ओर तुम्हें ले जाए
उस स्वतंत्र स्वर्ग में मेरे हिन्दू कुश-हिमालय
को जागने दो ।

श्री रविन्द्रनाथ टैगोर के
'गीताञ्जलि' से प्रेरित

सर्वधर्म प्रार्थना

तुम नारायण, सर्वोत्तम पुरूष और शिक्षक तुम हो
तुम सिद्ध, बुद्ध, गणेश और अग्नि हो
ब्रम्हा, मज्द, शक्तिमान, ईसा, भगवान और
पिता तुम हो ।
रूद्र विष्णु राम कृष्ण तुम हो
रहिम, ताओ, वासुदेव चित्रानंद तुम हो
तुम अतुलनीय समय से परे ।
और स्वयंभू भी तुम हो ।

प्रतिबद्धता

ऐ नम्र सोच सागर
निर्धन और असहायों के वासस्थल
इस सुन्दर स्थल में
जो गंगा यमुना और ब्रम्हपुत्र द्वारा सिंची जाती है ।
इस संपूर्ण क्षेत्र में तुम्हें पाने के लिए मदद करो
हमें सहन शक्ति और खुला हृदय दो
हमें तुम अपनी नम्रता दो
शक्ति और उत्साह भी हमें दो
ताकि हम हिन्दू-कुश के लोगों में मिल सकें
और तभी तुम मदद के लिए आ सकते हो
जब जन तुम्हारे समक्ष अकिंचन हो कर आएं ।
हमें वरदान दो कि हम उनसे अलग न हो
जिनकी हम मित्र और दास की तरह
सेवा करना चाहते हैं ।
हमें भक्ति और नम्रता का प्रतीक बनाओ
ताकि हम इस क्षेत्र को प्यार कर सकें ।

ग्यारह प्रतिज्ञाएं

अहिंसा
सत्य
अचौर्य
ब्रम्हचर्य
अ-संलग्नता
शारीरिक श्रम
अ-भेद
अभय
सर्वधर्मता
राष्ट्रीयता
नम्रता
ये गुण अपनाए जाने चाहिएं ।

'गोदावरी रिसोर्ट' में वृक्षारोण समारोह से संबंधित सहभागियों की प्रतिक्रिया

खगेन्द्र सिक्देल

'इसीमोड' का प्रदर्शन स्थल हरेक सुविधाओं से परिपूर्ण है । अगर हमें इसी प्रकार की आर्थिक सुविधा उपलब्ध करायी जाती तो हम अपने क्षेत्रों में भी ऐसे प्रायोगिक स्थल बना सकते थे ।

पुश्किन फुर्तियाल

आज जो हमने देखा और, जो बढीखेल में देखा वे दो प्रकार की अवस्थाएं हैं, बढीखेल में वन स्थानीय लोगों द्वारा व्यवस्थापित किए जाते थे जबकि गोदावरी प्रदर्शन स्थल में वैज्ञानिक तरीकों को अपनाया गया है । हम इनके (दोनोंके) सबसे सफल अभ्यासों को अपना कर लाभान्वित हो सकते हैं । यह जरूरी नहीं है कि वैज्ञानिक या समुदाय इसमें संलग्न है या नहीं, यदि कुछ खास तरीके अच्छी तरह से काम करते हैं तो हम उसे अवश्य ही अपना सकते हैं ।

शैला रानी रावत

गोदावारी स्थल के भ्रमण से मैनें बहुत कुछ सीखा, सबसे ज्यादा मुझे लकडियों के पतले डंडो और बांस से बनाए गए सीढियों ने प्रभावित किया । हमने 'ढुलकांव' कृषि के पद्धति को भी सीखा ।

समुदायों के लिए वन हमेशा से उपलब्ध रहता आया है ताकि वे अपनी दैनिक जरूरतों जैसे कि सूखी लकडियाँ, पत्ते, ईंधन योग्य लकडियाँ आीद इकठ्ठे कर सकते हैं । क्या 'इसीमोड' का यह प्रदर्शन स्थल सामान्य लोगों के लिए खुला है ?

मैंने यह भी देखा कि एक तरफ तो हरियाली बनाई गई है लेकिन इसी हरे-भरे पहाडों के दूसरी ओर मार्बल की फैक्टरी भी बनाई गई है । 'इसीमोड' को इस विषय में कुछ करना चाहिए ।

सुभाष मेधुंपुरक

यह सर्वविदित ही है कि हिन्दू कुश-हिमालय में महिलाएं घर और बाहर दोनों में ही कार्य करतें हुए ज्यादा समय बिताती हैं, साथ ही वन में भी

भूमी रमन नेपाल, हरियाली संगीत समूह का परिचय देतें हूए

दैनिक जरूरतों के लिए जाती हैं । लेकिन गोदावरी के एक चार्ट पर पुरूषों को महिलाओं की अपेक्षा अधिक संख्या में कार्य करते हुए दिखाया गया है । मैं समझता हूँ कि इस चार्ट में वन व्यवस्थापन में महिलाओं की भूमिका को दर्शाया जाए ।

स्टेक होल्डर समूह

तीन मुख्य 'स्टेक होल्डर समूहों' ने कार्यशाला में भाग लिया था वे थे: स्थानीए निर्वाचित समुदाय आधारित संस्थाएं, और गैर-सरकारी संस्थाए, सरकारी संस्थाएं, और शैक्षिक संस्थाएं ।

विभिन्न देशों से आए हुए प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से, दूसरे सत्र में इन उपर्युक्त स्टेक होल्डर समूहों के सदस्यों के साथ विचार विमर्श का कार्यक्रम रखा गया ।

इस कार्यक्रम का उद्देशय था 'स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं को सामुदायिक वन व्यवस्थापन में शामिल करने के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय रूपरेखा' । इस विचार विमर्श के लिए 'निर्देशिका' के तहत यह बताया गया कि स्थायी पर्वतीय विकास और सफल समुदाय आधारित वन व्यवस्थापन के लिए इस कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न स्टेक होल्डरो के बीच समन्वय आवश्यक है । सभी स्टेक होल्डर इस कोशिश में हैं कि पर्वतीय क्षेत्रों में विकसित जीवन शैली प्रदान कीजाए, महिलाओं और पुरूषों में समानता लायी जाए । और लोगों को अपने जीवन पद्धति को नियंत्रित करने का अधिकार स्वयं हो । इस तरह पर्यावरण भी सुरक्षित होगा ।

- स्थायी वन व्यवस्थापन के उद्देश्यकी प्राप्ति के लिए अपने समूह की भूमिका को पहचानना ।
- ऐसी पद्धतियों की पहचान करना जो निर्धन और सीमान्त लोगों को वन स्रोतों के उपयोग के लिए समान अवसर प्रदान करे ।
- उपयुक्त नीतियों और अभ्यासों को लाने में समूह के भूमिका को पहचानना ।
- सर्वोत्तम अभ्यासों की पहचान करना जो पारदर्शिता और जिम्मेवारी के सिद्धान्तों को प्रोत्साहित करे ।
- स्थानीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उन तकनीकि की पहचान करना जो निरंतर रूप से इन उपयुक्त मुद्दों पर कार्यशील रहे ।

स्टेक होल्डर समूह प्रस्तुति

प्रथम सभा सत्र स्टेक होल्डर समूह के प्रस्तुती से प्रारंभ हुई

सरकारी संस्थाओं, गैर-सरकारी संस्थाओं और शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका
एस श्रीधर द्वारा प्रस्तुत

समूह सदस्य

१. एम.एम.खान
२. राकेश शर्मा
३. पुश्किन फर्तियाल
४. आदर्श बाला
५. सुभाष मेंधुपुकर
६. मोहम्मद इकबाल
७. अलिगोहर
८. विजय राज पौडेल
९. महेशहरी आचार्य
१०. सूर्य प्रसाद अधिकारी
११. प्रकाश माथेमा
१२. वर्ण बहादुर थापा
१३. जुनेली श्रेष्ठ
१४. सबित्री कुमारी भट्टराई
१५. योको वातानवे
१६. अहमद अपजल
१७. एस.श्रीधर ।

सरकारी संस्थाएं

सरकारी संस्थाओं को अपनी पूर्व भूमिकाओं जैसे नियंत्रण, नियामक, बजट संस्था, को परिवर्तित कर सक्रिय और सकारात्मक सेवा प्रदायक के रूप स्थापित करना चाहिए । स्रोतों के स्वामित्व को उन्हें समुदाय को दे देना चाहिए । वे विभिन्न क्षेत्र जिनमें कि सरकारी संस्था बहुत ही सक्रिय हो सकती हैं, निम्न लिखित रूप से पहचानें गए हैं ।

- विधान और कानून सहयोग उन नीतियों का जो समुदाय सहभागिता और नियंत्रण को बढावा देते हों ।
- विकास प्रक्रिया में और अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए योग्य बनाने के लिए समुदाय सदस्यों का क्षमता प्रवर्धन ।
- सहभागी विकास पद्धति को आगे बढाने के लिए समसामयिक शोध की पहचान एवं परिचालन
- संस्थागत अन्तर्क्रिया और अनुभव आदान-प्रदान के माध्यम से विभिन्न कार्यशील निकायों के भूमिकाओं की पहचान और प्रवर्धन ।
- निर्णय निर्माण प्रक्रिया में स्थानीय समूहों को सहयोग
- स्थानीय संस्थाओं के बीच समन्वय को उपलब्ध कराना ।
- विवाद समाधान में सक्रिय तटस्थ भूमिका निभाना

गैर-सरकारी संस्थाएं एवं शैक्षिक संस्थाए

गैर-सरकारी संस्थाओं और शैक्षिक संस्थाओं द्वारा हस्तक्षेप और सहयोग के क्षेत्र में

विभिन्न प्रकार के महत्वपूर्ण कार्यों की पहचान की गई थी ।

- सहभागी शोध कार्य
- समुदाय आधारित क्रिया कलाप
- इन्टरप्राइज विकास और सहयोग
- विस्तृत क्षेत्रों (पहले से अधिक) वृत्तचित्रों (विवरणों) का निर्माण और सूचना प्रसारण
- वकालत, कानूनी सहयोग, एवं स्थानीय अधिकारों की सुरक्षा
- सभी स्टेक होल्डरों के बीच लाभांश के समान विभाजन की निश्चितता प्रदान करना ।
- विवाद समाधान में सक्रिय तटस्थ भूमिका निभाना ।
- विकास प्रक्रिया में और अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए योग्य बनाने के लिए समुदाय सदस्यों की क्षमता प्रवर्धन ।

समुदाय आधारित संस्थाओं की भूमिका कुलभूषण उपमन्यू द्वारा प्रस्तुत

समूह सदस्य

१. सावित्री देवी विष्ट
२. बोनी देवी चौहान
३. रमेश पहाडी
४. चण्डी प्रसाद भट्ट
५. राधा भट्ट
६. कुलभूषण उपमन्यू
७. सत्य प्रसन्न
८. जे.एस. गुलेरिया
९. रामकी देवी
१०. जस्सू देवी
११. हेम गइराला
१२. अहमद अपजल
१३. शफा अलि
१४. जोहरा खानम
१५. बी.पी.श्रेष्ठ
१६. भूमि रमन नेपाल,
१७. अप्सरा चापागांई
१८. मोहन माया प्याकुरेल
१९. मुरारी खनाल
२०. माया देवी खनाल
२१. भीम लाल सुबेदी
२२. ईश्वर पोखेल
२३. सबिता पोखेल
२४. बिन्दू कुमारी मिश्र
२५. देवी अधिकारी
२६. बाल कृष्ण खत्री
२७. कुल बहादुर के.सी.
२८. कमला देवी
२९. आरती श्रेष्ठ
३०. बसंती बेन

१. समुदाय आधारित स्थायी वन तथा प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन योजनाएं

- विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के लिए दीर्घ और अल्पकालीन कार्यक्रम बनाए जाने चाहिए ।

- जब सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह बनाए जाते हैं तो उनमें निर्धनो, अलाभान्वित वर्गों, आदिवासियों, और महिलाओं को समान सहभागिता के अवसर के साथ-साथ अधिकारिक पदों पर भी उन्हें आसीन होने देना चाहिए ।
- स्थानीय लोगों की जरूरतों से संबंधित उद्योगों की स्थापना के समय उन्हें (स्थानीय लोगों) को साथ भी संपर्क करना चाहिए ।
- सभी कार्यक्रमों का अच्छी तरह से परिचालन हो इसलिए उसक्षेत्र के उपभोक्ताओं को विशेष नीतियों के गुणों एवं अवगुणों के प्रति सचेत रहना चाहिए ।
- ऐसे कार्यक्रम, जो उपभोक्ता समूह के सदस्यों को प्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सहयोग दे सके, उनका परिचालन होना चाहिए ।
- दबाए हुए वर्गों और महिलाओं के लिए आदर की भावना का निःसरण होना चाहिए ।
- सरकारी संस्थाओं, गैर-सरकारी संस्थाओं और स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के बीच समन्वय होना चाहिए ।

२. वन स्रोतों में पहुंच के लिए निर्धनों और सीमान्त लोगों के लिए समान अवसर

- नीति निर्माण प्रक्रिया में सभी वर्गों की समान सहभागिता
- प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला, क्षेत्रीय, भ्रमण, और आयमूलक कार्यक्रमों की आयोजना

३. उपयुक्त नीतियों एवं अभ्यासों का विकास

- नीति निर्माण और कार्यक्रम परिचालन के समय स्थानीय लोगों की जरूरतों एवं इच्छाओं को समावेश किया जाना चाहिए ।
- वर्तमान सोच को बदलने के लिए संस्थाओं और व्यक्तिओं को कदम उठाना चाहिए ।

४. जिम्मेवारी और पारदर्शिता

- लोगों के संस्थाओं से विकास संबंधि कार्य आरंभ होने चाहिएं ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के नेताओं को सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के सदस्यों के सम्मुख आर्थिक विवरण प्रस्तुत करना चाहिए ।

५. स्थानीय, राष्ट्रीय और अन्र्राष्ट्रीय स्तर-प्रक्रिया

- राष्ट्रीय समूह संस्थाएं, स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान में दबाव समूह के रूप में कार्य करें
- हिन्दू कुश-हिमालय क्षेत्र में समस्याओं की पहचान के लिए 'हिमवन्ती' के जैसा ही

एक नेटवर्क की स्थापना होनी चाहिए । संबंधित संस्थाओं को इसके लिए पहल करनी चाहिए ।

स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं की भूमिका रमन देवी द्वारा प्रस्तुत

समूह सदस्य

१. हीमा देवी राना
२. कलावती देवी रावत
३. रैजा चौधरी
४. शैला रानी रावत
५. रतन चंद
६. सुखदेव विश्वप्रेमी
७. रमन देवी
८. अमित्र मित्रा
९. हैदर खान
१०. हरीप्रसाद न्यौपान
११. लक्ष्मी भंडारी
१२. धन बहादुर तमाङ्ग
१३. घंट प्रसाद नेपाल
१४. छोन्गबा लामा
१५. अम्बर बहादुर पहाडी
१६. गणेश श्रेष्ठ
१७. गुमन धोज कुन्वार
१८. बहादुर रोकाया
१९. तुल्सी प्रसाद न्यौपाने
२०. रामशरण घिमिरे
२१. लाल कुमार के.सी.
२२. कृष्ण प्रसाद सापकोटा
२३. गणेश प्रसाद तिमिल्सिना
२४. माधव पौडेल
२५. राजेन्द्र पोखेल
२६. किशोर चन्द्र दुलाल
२७. कुमार भोमजन
२८. एस. नेपाल
२९. विजय राज पौडेल
३०. सानू कुमार श्रेष्ठ
३१. श्याम घिमिरे ।

मुख्य मुद्दे

- गाँव स्तर पर स्वायत्त समूह के सहयोग से निर्वाचित प्रतिनिधि (स्थानीय संस्थाओं से) 'ग्राम सभा' की स्थापना करें । वे लोग जो प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर करते हैं, उन्हें इस योग्य बनाना चाहिए कि वे सामुदायिक वन व्यवस्थापन सें संबंधित आय मूलक कार्यक्रमों का परिचालन करे सकें ।
- वे लोगों जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछडे हैं, उन्हें भी इसमें भाग लेने के लिए उत्साहित किया जाना चाहिए । इसके लिए कुछ विशेष प्रावधान बनाना चाहिए ।
- कार्यों को लागू करने के उद्देश्य से 'ग्राम सभा' के सदस्यों, और दूसरे संस्थाओं को पारदर्शक यांत्रिकी का उपयोग कर के एक साथ काम करना चाहिए । वे कार्यक्रम जो गाँव स्तर पर बनाए गए हों उन्हें गाँव स्तर पर ही लागू किया जाना चाहिए । ये जन-मुखी कार्यक्रम होने चाहिएं ।

- स्थानीय संस्थाओं का निर्वाचन प्रजातांत्रिक पद्धति पर होना चाहिए और 'ग्राम सभा' कानूनी तौर पर गाँव और वार्ड स्तर पर बननी चाहिए । महिलाएं और अलाभान्वित वर्गों को निर्णय-निर्माण कानूनों में भाग लेने के लिए कानून सम्मत तरीके अपनाए जाने चाहिए । दोपहर में सहभागी, 'देशीय समूह' में बंटे ताकि वे राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय योजनाओं पर विचार विर्मश कर सकें । इस दौरान सहभागियों से अपने-अपने देशों के लिए विभिन्न स्तर पर योजनाएं बनाने के लिए आग्रह किया गया ।
- व्यक्तिगत रूप में
- संस्थागत रूप में
- राज्य स्तर पर और
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ।

कार्यशाला के सहभागियों के लिए विशेष रुप से आयोजित कार्यक्रम की एक झलक

कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित वन विभाग, नेपाल के उच्चस्तरीय पदाधिकारी

परिशिष्ट-२
सहभागियों की नामावलि

नं.	देश	नम	पता
१	बांगलादेश	प्रो.एम.एम.खान	जन प्रशासन विभाग ढाका विश्वविद्यालय ढाका-१००० बांगलादेश फैक्स # ८८०-२-८ ६५५ फोन # (८८०२) ८६१४११
१.	भारत	श्री राकेश शर्मा	सह-निर्देशक उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी नैनीताल-२६३००१ उत्तर प्रदेश भारत फैक्स # ३६२८० फोन # ३६१४९,३५५६६
२	भारत	डा.पुश्किन फर्तियाल	परियोजना मैनेजर, पर्वतीय विकास, एल.डी.एस. उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी नैतीताल २६३००१ उत्तर प्रदेश, भारत फैक्स # ३६२८०, २६३००१ फोन # ३६१४९
३	भारत	श्रीमती सावित्री देवी विष्ट	सरपंच वन पंचायत गोपेश्वर, उत्तर प्रदेश
४	भारत	श्रीमती बोनी देवी चौहान	सरपंच, वन पंचायत, उर्गम पो.बा.उर्गम, द्वारा जोशीमठ, जिला चमोली २४६४०२ उत्तर प्रदेश
५.	भारत	श्रीमती हेमा देवी राना	प्रधान गाँव पंचायत दोग्री केडई, पो.बा. तंगसा जिला, चमोली २४६४०१
६.	भारत	श्रीमती रैजा चौधरी	अध्यक्ष पोखरी जिला चमोली २४६४७३ उत्तर प्रदेश फोन # ०१३७२५३३०३

७	भारत	श्रीमती शैलारानी रावत	अध्यक्ष महिला जागृत संस्था अगस्त्यमुनी, जिला रुद्र प्रयाग, २४६४२१ फोन # ०१३७२३२०६ (निवास) २६२८८
८	भारत	श्रीमती कलावती देवी रावत	अध्यक्ष महिला मंगल दल बछेर, पो.बा. बछेर जिला चमोली २४६४०१
९	भारत	श्री रमेश पहाडी	दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल गोपेश्वर, चमोली २४६०१ भारत फोन # ०१३७२५२१-८३
१०	भारत	श्री चण्डी प्रसाद भट्ट	दशोली ग्राम स्राज्य मंडल गोपेश्वर, चमोली २४६०१ भारत फोन # ०१३७२५२१-८३
११	भारत	सुश्री बसंती	दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल गोपेश्वर, चमोली २४६०१ भारत फोन # ०१३७२५२१-८३
१२	भारत	सुश्री राधा भट्ट	हिमालय सेवा संघ, राजघाट कोलोनी, राजघाट, नई दिल्ली ११०००२
१३	भारत	श्री रतन चंद	ग्रामीण विकास और कार्य समाज थलथुखोर १७६१२२ जिला-मंडी, हिमाचल प्रदेश
१४	भारत	श्री सुखदेव विश्वप्रेमी	ग्रामीण तकनीकि विकास केन्द्र RTDC राजगढ १७५०२७, मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत
१५	भारत	श्री कुल भूषण उपमन्यू	ग्रामीण तकनीकि विकास केन्द्र RTDC राजगढ १७५०२७, मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत

१६	भारत	श्री सत्य प्रसन्न	नवरचना टिका अइमा, पालमपुर १७६०६१ हिमाचल प्रदेश
१७	भारत	सुश्री आदर्श बाला	उपाध्यक्ष समृद्धि महिला ग्रामोद्योग संगठन द्वारा पा.बा. हल्दारा कोना तहसिल पालमपुर, जिलाको गडा, हिमाचल प्रदेश १७६०९३
१८	भारत	श्री जोगिन्दर सिंह गुलेरिया	कांगरा वन सहकारिता टीका अइमा, पालमपुर कांगरा, हिमाचल प्रदेश
१९	भारत	श्री सुभाष मेंघापुरकर	सूत्र पो.बा.जगजीत नगर द्वारा जुब्बेर जिला सालेन, हिमाचल प्रदेश फोन # ९११७९२-८३७२५/८३७३४ फैक्स # ९१-१७९२-८३७३४
२०	भारत	सुश्री रमन देवी	प्रधान ग्राम पंचायत दरोही जिला हमीर पुर, हिमाचल प्रदेश
२१	भारत	सुश्री रामकी देवी	सदस्य महिला मंडलराजपुरी, पो.बा., जबली जिला-सोलन, हिमाचल प्रदेश १७३२०९, भारत
२२	भारत	श्री अमित मित्र	बी.२७७ सरिता विहार नई दिल्ली ११००४४ भारत फैक्स # ६९४०-३८५ फोन # ६९४०३८५
२३	भारत	सुश्री जसो देवी	अध्यक्ष महिला मंडल,बथरी, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत फोन # ८८३०
२४	भारत	श्री हेम गैरोला	पर्वतिय पर्यावरण अकादमी 111/2-1 राजपुर सडक पोष्ट-अँफिस बाक्स १८९ देहरादून, भारत फैक्स # ९१०३५-७४९५६०
२५	भारत	डा.बी.पी.मैथानी	समन्वय सदस्य सी.ए.पी.ए.आर.टी.एन.ई.जेड) अशोक पथ, वशिष्ठ सडक सर्वे, गोहाटी-२८ आसाम, भारत फैक्स # ९१०३६१-५६८३६८

२६	भारत	श्री आर.श्रीधर	निर्देशक पर्वतीय पर्यावरण अकादमी 111/2-1 राजपूर १८९, देहरादून, भारत, फैक्स # ९११३५७-४७३६४ फोन # ७४९५६०
१	पाकिस्तान	श्री अहमद अफजल	प्रशासन श्रोत सुविधा, यू.एन.डी.पी. दशवां महल, साउदी पाक, टावर, इस्लामाबाद, पाकिस्तान फोन # ९२५१८२१८१६ फैक्स # ९२५१२७९०८०
२	पाकिस्तान	श्री हैदर खान	स्थानीय सरकार वन सलाहकार प्रतिनिधि, उत्तर क्षेत्रीय परिषद्
३	पाकिस्तान	श्री मोहमद इक बान	क्षेत्रीय वन अधिकृत
४	पाकिस्तान	श्री शफा अलि	सदस्य गाँव संस्था, चाल्ट
५	पाकिस्तान	सुश्री जोहरा खानम	वन संरक्षक ए.के.आर.एस.पी.
६	पाकिस्तान	श्री अलिगोहर	मैनेजर प्राकृतिक स्रोत प्रशिक्षण सहयोग इकाई ए.के.आर.एस.पी., गिलगित, पाकिस्तान
१	नेपाल	श्री हरि प्रसाद न्यौपाने	अध्यक्ष सामुदायिक वन विकास महासंघ, नेपाल पुरानो वानेश्वर, पो.बां. ५७२३, काठमाण्डू फोन # ४८५२६३, ४८८०९२ निवास फैक्स # ४८५६२
२.	नेपाल	श्री लक्ष्मी भण्डारी	गाम्चा वन उपभोक्ता समूह मार्फत्-फेकोफन पुरानो बानेश्वर पि.ओ वक्स ५७२३, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ९७७-१-४८५२६३, फ्याक्स नं. ९७७-१-४८५२६२
३.	नेपाल	श्री धन बहादुर तामाङ्ग	सभापति मगपौवा गा वि स जिला: दोलखा जनकपुर, नेपाल

४.	नेपाल	श्री बि.पी. श्रेष्ठ	राम बजार वन उपभोक्ता समूह ओखलढुङ्गा ५, नेपाल मार्फत्-फेकोफन पुरानो बानेश्वर पि.ओ वक्स ५७२३, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ९७७-१-४८५२६३, फ्याक्स नं. ९७७-१-४८५२६२
५.	नेपाल	श्री भूमिरमण नेपाल	जिला अदालत धादिङ्ग, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०१०-२०१३१
६.	नेपाल	श्री अप्सरा चापागाई	एफ इ सि ओ एफ यु एन पुरानो बानेश्वर पि.ओ वक्स ५७२३, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ९७७-१-४८५२६३, फ्याक्स नं. ९७७-१-४८५२६२
७.	नेपाल	श्री मोहनमाया प्याकुरेल	नौलो पोखेरी वन उपभोक्ता समूह बसन्तमाला-४, दैलेख, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०८९-२९३१६
८.	नेपाल	श्री घण्ट प्रसाद	मदन पोखरा पाल्पा, नेपाल
९.	नेपाल	श्री चोङ्वा लामा	बाम्ती गाउँ विकास समिति रामेछाप, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०४८-२९३००
१०.	नेपाल	श्री मुरारी खनाल	सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह तामागढी, निजगड बारा, नेपाल
११.	नेपाल	श्री अम्बर बहादुर पहारी	सभापति मासडाँडा वन उपभोक्ता समूह बडीखेल, गोदावरी ललितपुर
१२.	नेपाल	श्री गणेश श्रेष्ठ	सभापति बोखिम गाउँ विकास समिति भोजपुर, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०२९-२०२२६
१३.	नेपाल	श्री गुमनध्वज कुँवर	सभापति चौवासा गाउँ विकास समिति वार्ड नं-५, काभ्रेपलाञ्चोक टेलिफोन नं. ९७७-०११-६२०५४
१४.	नेपाल	श्री माया देबी खनाल	सभापति हिमावन्ती पुरानो बानेश्वर पि.ओ वक्स ५७२३, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ९७७-१-४८५२६३,

१५.	नेपाल	श्री भीम लाल सुवेदी	एफ इ सि ओ एफ यु एन पुरानो बानेश्वर, काठमाण्डू पि.ओ वक्स ५७२३, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ९७७-१-४८५२६३, फ्याक्स नं. ९७७-१-४८५२६२
१६.	नेपाल	श्री बहादुर रोकाया	सदस्य जिला विकास समिति कंचनपुर, महाकाली अंचल, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०९९-२११४७ फ्याक्स नं. ९७७-०९९-२११४८
१७.	नेपाल	श्री तुल्सी प्रसाद न्यौपाने	सभापति जिला विकास समिति संखुवासभा, कोशी अंचल, नेपाल
१८.	नेपाल	श्री रामशरण घिमिरे	सचिव काफ्ले सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह लामाटार, ललितपुर
१९.	नेपाल	श्री लाल कुमार के. सी.	सभापति दोलखा जिला समिति दोलखा, जनकपुर अंचल, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०४९-२०१४४(अ) ९७७-०४९-२०११४ (नि) फ्याक्स नं. ९७७-०४९-२०१३३
२०.	नेपाल	श्री कृष्ण प्रसाद सापकोटा	सभापति जिला विकास समिति काभ्रेपलान्चोक, नेपाल टेलिफोन ९७७-०११-६१२४६
२१.	नेपाल	श्री गणेश प्रसाद तिमिल्सिना	सभापति जिला विकास समिति पर्वत, गण्डकी अंचल, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०६७-२०१४४ (अफिस) ९७७-०६७-२०२५८ (निवास)
२२.	नेपाल	श्री माधव पौड्याल	सभापति जिला विकास समिति महासंघ, नेपाल (ए डि डि सि एन) जिला कार्यालय, मानभवन, ललितपुर, नेपाल टेलिफोन नं. ९७७-०१-५२३४१०, २९०६०१ फ्याक्स नं. ५३३२१५

२३.	नेपाल	श्री ईश्वरा पोखरेल	अर्घाखाँची लुम्बिनी अञ्चल
२४.	नेपाल	श्री सबिता पोखरेल	अर्घाखाँची लुम्बिनी अञ्चल
२५.	नेपाल	श्री राजेन्द्र पोखरेल	सल्लाहकार प्रजापति सामुदायिक वन सुरुङ्गा, झापा, नेपाल टेलिफोन नं. ०२३-२९२१८, २९२१५
२६.	नेपाल	श्री विजयराज पौड्याल	जिला वन अधिकृत जिला वन कार्यालय नुवाकोट
२७.	नेपाल	श्री महेशहरि आचार्य	जिला वन अधिकृत जिला वन कार्यालय सानोठिमी, भक्तपुर टेलिफोन नं. ९७७-१-६१०३११ फ्याक्स ९७७-१-२२७३७४
२८.	नेपाल	श्री सूर्यप्रसाद अधिकारी	कानून अधिकृत वन बिभाग बबरमहल, काठमाण्डू
२९.	नेपाल	श्री विन्दू कुमारी मिश्र	सहायक वन अधिकृत वन विभाग वबरमहल, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ९७७-१-२४७५९९ फ्याक्स नं. ९७७-१-२२९०१३
३०.	नेपाल	श्री प्रकाश माथेमा	अनुसन्धान (रिसर्च) अधिकृत भू-संरक्षण विभाग बबरमहल, काठमाण्डू टेलिफोन ९७७-१-२२०८२८ फ्याक्स नं. ९७७-१-२२१०६७ इमेल: cftp@wlink.com.np
३१.	नेपाल	श्री किशोर चन्द्र दुलाल	सभापति जिला विकास समिति तेह्रथुम, नेपाल टेलिफोन ९७७-०२६-६०१४५ ६०१४३ (निवास) फ्याक्स नं. ९७७-०२६-६०१३३
३२.	नेपाल	श्री कुमार भोमजन	उपसभापति छैमले गाउँ विकास समिति काठमाडौं मार्फत्-वाच (WATCH) पुरानो बानेश्वर, काठमाण्डू

३३.	नेपाल	श्री वर्ण बहादुर थापा	वन्यजन्तु संरक्षण तथा राष्ट्रीय निकुंज विभाग बबरमहल, काठमाडौं टेलिफोन ९७७-१-२२०९११, २२०८५० फ्याक्स नं. ९७७-१-२२७८७५
३४.	नेपाल	श्री देबी अधिकारी	कोषाध्यक्ष सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह सिन्धुपाल्चोक टेलिफोन नं. ६१५३१
३५.	नेपाल	श्री जुनेली श्रेष्ठ	उपसभापति समाज सेवा परिषद् श्री ५ सरकार नेपाल टेलिफोन नं. २१७३१, मकवानपुर जिला
३६.	नेपाल	श्री सबित्रा कुमारी भट्टराई	सचिव महिला तथा वातावरण केन्द्र नेपाल समाज सेवा परिषद् शाखा कार्यालय, जमजुङ टेलिफोन ९७७-०६६-२९४२२ केन्द्रिय कार्यालय, काठमाडौं ९७७-१-४११३०७
३७.	नेपाल	श्री विजय राज थेवे	सभापति जिला विकास समिति ताप्लेजुङ टेलिफोन ९७७-०२४-६०१२४
३८.	नेपाल	श्री बालकृष्ण खत्री	पुदली वन उपभोक्ता समूह लामाटार गाउँ विकास समिति वार्ड नं ३, ललितपुर
३९.	नेपाल	श्री सानु कुमार श्रेष्ठ	सभापति जिला विकास समिति काठमाण्डू टेलिफोन ९७७-१-३१२०३१, ४२२९२९

४०.	नेपाल	श्री कुल बहादुर केसी	सभापति पात्ले सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह लामाटार १, ललितपुर
४१ं	नेपाल	श्री कमला शर्मा	
४२.	नेपाल	श्री आरती श्रेष्ठ	पोखरा, कास्की
४३.	नेपाल	श्री दिलराज खनाल	अधिवक्ता अर्घाखाँची, सीतापुर-६ मार्फत्-फेकोफन पुरानो बानेश्वर पि.ओ वक्स ५७२३, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ४८५२६३, फ्याक्स नं. ४८५२६२
४४.	नेपाल	श्री श्याम घिमिरे	सभापति बडीखेल गाँव विकास समिति गोदावरी, ललितपुर

देशगत विभाजित समूह

देश	पुरुष	महिला	जम्मा	इसिमोड
बङ्गलादेश	१		१	६
भारत	१५	१२	२७	
पाकिस्तान	५	२	७	
नेपाल	३३	११	४४	
जम्मा	५४	२५	७९	
कूल सम्पूर्ण				८५

इसिमोड के सहभागी

१. अनुपम भाटिया
२. गोविन्द श्रेष्ठ
३. त्रिभुवन पौड्याल
४. खगेन्द्र सिक्तेल
५. मृणलिनी राई
६. विष्णु के.सी.

परिशिष्ट-३
कार्यशाला कार्यक्रम

प्रथम दिन सोमबार, 16 मार्च 1998	
१४:०० अपरान्ह	आगमन और पंजीकरण
१६:०० अपरान्ह	मिट्टी मिलन समारोह सहभागियों द्वारा व्यक्तिगत परिचय सहयोग उपलब्ध करानेवाले व्यक्तियों एवं दूभाषियों का परिचय कार्यशाला की पूर्व भूमिका/उद्देश्य/पद्धति/विषय वस्तु ठहराव संबंधि सूचना
१८:०० संध्या	'हरियाली संगीत समूह', धादिंग, द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति, श्री मंजुल नेपाल द्वारा निर्मिता रात्रि भोजन
दूसरा दिन मंगलबार, 17 मार्च 1998	
७:३० सुबह	सुबह का नाश्ता
८:३० सुबह	आगमन और पंजीकरण
१०:०० सुबह	• उदघाटन • इसीमोड के महानिर्देशक, श्री एगबर्ट पेलिङ्क द्वारा स्वागत भाषण • सुश्री केसांग छुन्ग्याल्पा सह-आवासीय प्रतिनिधि, यू.एन.डी.पी. • श्री माधव पौडेलद्वारा स्वागत संबोधन • अध्यक्ष, जिला विकास समिति संघ, नेपाल और • अध्यक्ष, जिला विकास समिति ललितपुर, नेपाल, हरिप्रसाद न्यौपानेद्वारा स्वागत भाषण • अध्यक्ष, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहसंघ, नेपाल • मुख्य अतिथि द्वारा संबोधन, माननीय गजेन्द्र नारायण सिंह, स्थानीय विकास मंत्री, श्री पांच सरकार/नेपाल • देशीय प्रतिनिधि द्वारा संक्षिप्त प्रतिक्रिया • धन्यवाद ज्ञापन • समूह फोटो
११:४५ सुबह	भोजन
१३:०० अपरान्ह	सभासत्र

	समूह विचार विमर्श "विस्तीर्ण क्षितिज, हिन्दू कुश-हिमालय में एकीकृत प्रशासन और प्राकृति स्रोत व्यवस्थापन में चुनौतियाँ । अध्यक्ष : डा. मोहन मान सैंजू सहभागी : पाकिस्तान, श्री हैदर खान, उत्तरी सभा क्षेत्र, सदसय, श्री शफा अलि, समुदाय परिचालक बांगलादेश : डा.एम.एम.खान, ढाका विश्वविद्यालय । श्री रमेश शर्मा, सह निर्देशक, यू.पी.ए.ए. सुश्री राधा भट्ट, लक्ष्मी आश्रम श्री चण्डी प्रसाद भट्ट, दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल श्री कुलभूषण उपमन्यू, नवरचना डा.बी.पी.मैथानी, एन.आई.आर.डी. नेपाल : श्री हरिप्रसाद न्यौपाने, अध्यक्ष फेकोफन, श्रीमति मायादेवी खनाल, अध्यक्ष, हिमन्वती
१८:०० संध्या	हिमवन्ती - हिमाली तृण मूल स्तर महिला प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन नेटवर्क, बैठक
१८००-१९०० संध्या	'संबोधन' चलचित्र प्रदर्शन और विचार विर्मश
२०:०० रात्रि	रात्रि भोजन
तीसरा दिन बुधबार 18 मार्च 1998	
७:३० सुबह	सुबह का नाश्ता
८:३० सुबह	सभा सत्र
	ठहराव संबंधि सूचना
९:००	पत्र प्रस्तुति के लिए समसामयिक विचार विर्मश
	समूह-एक रमेश पहाडी, भारत सुभाष मेंधुपुरकर, भारत हरिप्रसाद न्यौपाने, नेपाल
	समूह-दो एस श्रीधर एवं हेम गोइराला, भारत अलि गोहर, पाकिस्तान एम.एम.खान, बांगलादेश दिल राज खनाल, नेपाल
	समूह-तीन कुलभूषण उपमन्यू, भारत माधव पौडेल, नेपाल राधा भट्ट, भारत (बी.पी.मैथाली-भारत)
१०:३० सुबह	चाय/काफी

११:०० सुबह	**दर्पण समूह** सभा समूह और समसामाजिक समूहों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चार समूहों का विचार विमर्श पत्र प्रस्तुति
१३:०० अपरान्ह	दिन का भोजन
१४:०० अपरान्ह	बढीखेल सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह, मास डांडा, गाँव विकास समिति, के लिए क्षेत्रीय भ्रमण के लिए प्रस्थान
१४:४५ अपरान्ह	बढीखेल में आगमन
	- गाँव विकास समिति और वन उपभोक्ता समूह के प्रतिनिधियों द्वारा संक्षिप्त विवरण प्रस्तुति - समदाय व्यवस्थापित वन क्षेत्र में छोटे समूहों में प्रस्थान
१६:०० संध्या	चाय/नाश्ता
१६:३० संध्या	सर्वनाम नुक्कड नाटक 'हाम्रो गाँव राम्रो गाँव' ।
१७:३० संध्या	गोदावरी रिर्सोट के लिए प्रस्थान
२०:०० संध्या	रात्रि भोजन
२१:०० संध्या	चण्डी प्रसाद भट्ट द्वारा 'चिपको आंदोलन फिल्म' की प्रस्तुति ।
चौथा दिन वृहस्पतिवार, 19 मार्च, 1998	
७:३० सुबह	सुबह का नाश्ता
८:३० सुबह	बढीखेल क्षेत्रीय भ्रमण पर संक्षिप्त विचार विमर्श ।
९:०० सुबह	सभा सत्र

	अध्यक्ष : गणेश प्रसाद तिमिल्सिना, जिला विकास समिति अध्यक्ष, पर्वत जिला, नेपाल
	• विकेन्द्रीकरण कानून और वन कानून का तुलनात्मक अध्यक्ष, द्वारा नारायण बेलबासे एवं ध्रुवेश रेग्मी
	• नेपाल में स्थानीय शासन और सा.व. के बीच संबंध से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ द्वारा अमृतलाल जोशी, प्रमुख योजना अधिकृत, वन तथा भू-संरक्षण मंत्रालय ।
	• सहभागी
	  • कल्याण राज पांडे, पी.डी.डी.पी.
	  • सूर्य अधिकारी, कानूनी अधिकृत, वन विभाग, नेपाल
	  • विजय राज पौडेल, वन अधिकृत, नुवाकोट जिला, नेपाल

१३:०० अपराहन	दिनका भोजन
१४:०० अपराहन	स्टेक होल्डर समूहों के लिए निर्देशिकाएं
	स्टेक होल्डर समूह स्थानीय निर्वाचित समूह समुदाय आधारित संस्था समूह गैर-सरकारी संस्थाएं/सरकारी संस्थाएं/शैक्षिक संस्थाएं समूह

१६:३० संध्या	दृश्यावलोकन और बाजार के लिए प्रस्थान
१९:३० संध्या	दरबार मार्ग से गोदावरी रिसोर्ट के लिए प्रस्थान
२०:३० संध्या	रात्रि भोजन
पांचवा दिन शुक्रबार 20 मार्च 1998	
७:३० सुबह	'इसीमोड' के प्रायोगिक प्रदर्शन स्थल के लिए प्रस्थान
८:०० सुबह	प्रविधि प्रदर्शन वृक्षारोपण समारोह
११:०० सुबह	होटल आगमन/नाश्ता
१२:००	सभा सत्र • स्टेक होल्डर समूह द्वारा प्रस्तुती प्रत्येक समूह के लिए २० मिनेत • विचार विर्मश
१४:०० अपरान्ह	दिनका भोजन
१५:०० अपरान्ह	देशीय समूह में रुप रेखाएं और योजनाएं • पाकिस्तान • भारत • नेपाल • बांगलादेश
१८:३० संध्या	श्री मंजुल और उनके समूह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती
२०:३०	रात्रि भोजन
छठा दिन शनिवार 21 मार्च 1998	
७:३० सुबह	सुबह का नाश्ता
८:०० सुबह	अंतिम सभा सत्र • देशीय सूमह की प्रस्तुति-प्रत्येक समूहको 20 मिनट • विचार विर्मश
१०:०० सुबह	चाय/काफी
१२:०० दोपहर	सहभागियों का प्रस्थान

परिशिष्ट-४
पंजीकरण

कार्यशाला पंजीकरण गोदावरी रिसोर्ट के सभा हाल में अपराहन दो बजे आरंभ हुआ । इसीमोड के कर्मचारियों ने मिलकर सहभागियों को उनके रूम का नं और चाभियाँ आदि प्रदान किया । सभी सहभागियों को एक छोटा ब्रीफकेस दिया गया, जिस पर हिन्दू कुश-हिमालय क्षेत्र के प्राकृतिक दृश्य और लोगों का अंकन किया गया था । इस ब्रीफकेस में कार्यशाला के कार्यक्रमों और ठहराव संबंधी सूचनाओं को लिखित रूप में रखा गया था । साथ ही सहभागियों को एक गद्दा भी दिया गया जिसमें नेपाली शैली में कढाई की गई थी । इसका उपयोग कार्यशाला के दौरान बैठने के लिए अर्धगोलाकार भूमि की व्यवस्था में किया जा सकता था । पंजीकरण के बाद सभी सहभागियों को चाय के लिए आमंत्रित किया गया । इसमें कार्यशाला के विषय में जानकारी के साथ वानिकी से संबंधित 'इसीमोड' के प्रकाशन को भी सहभागियों को दिखाया गया । इन प्रकाशनों में वानिकी संबंधि सभी मुद्दों जैसे विवाद समाधान, और सामुदायिक वन आदि की विवेचना की गई थी ।

इसी भवन में पांच रूम वाले काटेजों में एक बडे हाल (उपर के महल में जहाँ कि खाने और सभा हाल की भी व्यवस्था थी) सहभागियों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी । सहभागियों को लिंग भेद के आधार पर रूम उपलब्ध कराया गया था । तीन काटेज खास कर महिलाओं के लिए सुरक्षित था । एक ही देश सहभागियों को डबल रूम में ठहराया गया था । लेकिन फिर भी ऐसी कोशिश की गई की अन्तर्राष्ट्रीय सहभागियों के बीच अधिक से अधिक अन्तर्क्रिया हो सके ।